मेन्स मास्टर

ईरान के हमले की आशंका के बीच पश्चिम एशिया खतरे में है

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा: ईरान-इज़राइल संघर्ष

प्रसंग

• शुक्रवार, 13 अप्रैल, 2024 को पश्चिम एशिया हाई अलर्ट पर रहा
• सीरिया के दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर 1 अप्रैल के हवाई हमले के प्रतिशोध में इज़राइल पर आसन्न ईरानी हमले की आशंका

पृष्ठभूमि

• दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हवाई हमले के परिणामस्वरूप हत्या हुई:
• मोहम्मद रज़ा ज़ाहेदी, कुद्स फ़ोर्स के एक उच्च पदस्थ कमांडर
• ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की विशिष्ट शाखा
• ईरान और सीरिया ने हमले के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया
• इज़राइल ने हमले में अपनी भूमिका की न तो पुष्टि की है और न ही इससे इनकार किया है
• इज़राइल के विदेश मंत्रालय में दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया प्रभाग के प्रमुख माइकल रोनेन के अनुसार: "वे कहते हैं कि इज़राइल ने हमला किया। खैर, मुझे नहीं पता। मैं जो कह सकता हूं वह यह है कि इज़राइल किसी भी प्रतिक्रिया के लिए तैयार है ईरान।"

ईरान की प्रतिशोध की प्रतिज्ञा

"सवाल यह नहीं है कि क्या है, बल्कि कब है। सर्वोच्च नेता, सरकार और वरिष्ठ सैन्य नेताओं ने चेतावनी दी है कि प्रतिक्रिया आ रही है। ईरान इस बार पीछे नहीं हट सकता।" - तेहरान स्थित रणनीतिक विश्लेषक, जिसका शासन से करीबी संबंध है
• ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इज़राइल के "दुष्ट शासन" को दंडित करने की कसम खाई
• रिपोर्टों से पता चलता है कि ईरान प्रतिशोध के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहा है:
• ईरान की ओर से इजराइल पर ड्रोन और मिसाइलों से सीधा हमला
• क्षेत्र में इजरायली संपत्ति पर सीधे या हमास, हिजबुल्लाह और इस्लामिक जिहाद जैसे प्रॉक्सी के माध्यम से हमला करना
• इजरायली नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगर हमले का स्रोत ईरान है तो वे ईरान के अंदर हमला करेंगे

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

ईरान-इज़राइल संघर्ष की गहरी ऐतिहासिक जड़ें हैं, जो निम्न से उत्पन्न होती हैं:

• वैचारिक मतभेद
• इज़राइल का धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र बनाम ईरान का इस्लामी गणराज्य
• मध्य पूर्व के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण
• क्षेत्रीय शक्ति संघर्ष
• क्षेत्र में प्रभाव और प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा
• सीरिया, लेबनान और यमन जैसे देशों में छद्म संघर्ष
• इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष
• हमास और इस्लामिक जिहाद जैसे फ़िलिस्तीनी उग्रवादी समूहों को ईरान का समर्थन
• फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों पर इज़रायल का कब्ज़ा

दोनों देशों के पास:

• पूरे क्षेत्र में छद्म युद्धों में लगे हुए हैं
• एक दूसरे पर आतंकवादी संगठनों का समर्थन करने और क्षेत्र को अस्थिर करने का आरोप लगाया

क्षेत्रीय निहितार्थ:

इज़राइल ने लड़ाकू इकाइयों के लिए पत्ते जमा दिए हैं, जिससे सेना की तैयारी और उच्च सतर्क स्थिति सुनिश्चित हो सके - रक्षात्मक चालें जो अस्थिर क्षेत्र को और अधिक अस्थिर करने का जोखिम उठाती हैं। व्यापार और यात्रा में व्यवधान के साथ-साथ हिजबुल्लाह, हमास और हौथिस जैसे ईरान समर्थित समूहों की संभावित भागीदारी मंडरा रही है।
सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, इज़राइल ने रिजर्व का मसौदा तैयार किया है और वायु रक्षा प्रणालियों को मजबूत किया है। हालाँकि, इन तैयारियों से नागरिक हताहतों और बुनियादी ढांचे की क्षति के साथ ईरान-इज़राइल युद्ध का खतरा बढ़ जाता है।
जीपीएस सिस्टम को खंगालने का उद्देश्य आने वाले ईरानी हथियारों को भ्रमित करना है, लेकिन क्षेत्रीय गठबंधनों का परीक्षण कर सकता है, जिससे व्यापक संघर्ष हो सकता है। बढ़ते परिदृश्य में अमेरिका और रूस जैसी वैश्विक शक्तियों द्वारा हस्तक्षेप भी एक संभावना है।
गलत आकलन के परिणाम गंभीर हैं, पूरे क्षेत्र पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। नियंत्रण से बाहर हो सकने वाले सैन्य टकराव को रोकने के लिए कूटनीतिक प्रयास महत्वपूर्ण हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका की भूमिका

• इजराइल का करीबी सहयोगी
• सुरक्षा स्थिति पर जताई चिंता
• इज़राइल में अपने नागरिकों को कुछ क्षेत्रों से बचने की सलाह दी
• यदि संघर्ष और बढ़ता है तो उन्हें भी इसमें शामिल किया जा सकता है
• इज़राइल के लिए संभावित सैन्य समर्थन
• तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास

क्रिटिकल आउटलुक

• जारी संघर्ष क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है
• व्यापक मध्य पूर्व के लिए दूरगामी परिणाम
• दोनों पक्षों ने प्रत्यक्ष और छद्म संघर्षों में शामिल होने की इच्छा दिखाई है
• तनाव कम करने और शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए कूटनीतिक प्रयास महत्वपूर्ण
• अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों की भागीदारी
• ईरान के साथ परमाणु समझौते की बातचीत को पुनर्जीवित करना
• इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष जैसे अंतर्निहित मुद्दों को संबोधित करना

निष्कर्ष

पश्चिम एशिया में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, ईरान और इज़रायल के बीच तनाव और बढ़ने की आशंका है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को व्यापक संघर्ष को रोकने के लिए राजनयिक प्रयासों को प्राथमिकता देनी चाहिए जो पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है और वैश्विक प्रभाव डाल सकता है। सैन्य टकराव से नागरिक हताहत हो सकते हैं, आर्थिक व्यवधान हो सकता है और अन्य क्षेत्रीय और वैश्विक शक्तियों की भागीदारी हो सकती है, जो पहले से ही अस्थिर स्थिति को और खराब कर सकती है।

जोखिम भरा परिसर

संदर्भ: भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को सर्वोत्तम तरीके से प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय का सामना करना पड़ रहा है। क्या निर्यात को बढ़ावा देने के लिए व्यापार नियमों को सरल बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, या एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के निष्कर्षों के आलोक में अन्य रणनीतियाँ अधिक व्यवहार्य हैं?
पृष्ठभूमि: एडीबी ने मार्च 2025 में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7% कर दिया है। इसमें अगले वर्ष 7.2% की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। यह आशावाद मजबूत सार्वजनिक/निजी निवेश और उपभोक्ता मांग में प्रत्याशित उछाल से उपजा है।

एडीबी निष्कर्ष:

• **आशावादी आउटलुक:** एडीबी के विकास अनुमान उल्लेखनीय हैं, खासकर पिछले वित्तीय वर्ष के लिए राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के 7.6% अनुमान की तुलना में।
• **चुनौतियाँ:** कई जोखिम इस प्रक्षेप पथ को पटरी से उतार सकते हैं:
  ◦ वैश्विक आर्थिक अस्थिरता (तेल की बढ़ती कीमतें, उच्च पश्चिमी ब्याज दरें)।
  ◦ पश्चिमी ब्याज दर में उतार-चढ़ाव के प्रति भारत की बढ़ती संवेदनशीलता।
  ◦ विस्तारित घरेलू बचत के बारे में घरेलू चिंताएँ।
  ◦ निजी क्षेत्र में परियोजना घोषणाओं और पूर्णता के बीच का अंतर।
  ◦ भारत की जीडीपी रिपोर्टिंग से जुड़े डेटा अखंडता विवादों पर एडीबी की टिप्पणी गायब है।
• **सुधारों की आवश्यकता:** एडीबी भारत में पर्याप्त संरचनात्मक सुधारों की अनुपस्थिति पर प्रकाश डालता है, यह प्रवृत्ति विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के बाद से उल्लेखनीय है। सुधारों की यह कमी मजबूत विकास संख्या की स्थिरता पर कुछ संदेह पैदा करती है।

आगे की राह: एडीबी भारत के आर्थिक भविष्य को मजबूत करने के लिए प्रमुख सिफारिशें पेश करता है:

• **विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड):** सरलीकृत नीतियों के साथ एसईजेड की स्थापना से निर्यात को काफी बढ़ावा मिल सकता है।
• **वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला:** वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में गहन एकीकरण और भारत के लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को बढ़ाने से व्यवधान कम होंगे और व्यापार की रक्षा होगी।

बड़ी तस्वीर: एडीबी की रिपोर्ट भारत की अद्वितीय स्थिति को रेखांकित करती है। हाल के प्रमुख सुधारों के बिना भी इसने ठोस आर्थिक विकास हासिल किया है। अब मुख्य प्रश्न यह है कि क्या भारत इस वृद्धि को कायम रख सकता है या इसमें तेजी ला सकता है, और क्या व्यापार नियमों को सरल बनाना एक अस्थिर वैश्विक परिदृश्य में सबसे व्यवहार्य रास्ता है।

प्रीलिम्स बूस्टर

कैसे एक नया प्लेटफॉर्म किसानों को तुरंत सब्सिडी देगा

सीडीपी-सुरक्षा: किसानों के लिए एक गेम-चेंजर

इसका क्या मतलब है:
- एकीकृत संसाधन आवंटन की प्रणाली: ज्ञान, सहायता और बागवानी सहायता
- क्लस्टर विकास कार्यक्रम (सीडीपी) के तहत किसानों को तत्काल सब्सिडी वितरण

मुख्य उद्देश्य:
- बागवानी फसलों को बढ़ावा दें
- बागवानी समूहों की भौगोलिक विशेषज्ञता का लाभ उठाएं
- एकीकृत मूल्य श्रृंखला विकसित करें

यह कैसे काम करता है:
1 किसान मोबाइल नंबर का उपयोग करके प्लेटफ़ॉर्म पर लॉग इन करता है
2 रोपण सामग्री के लिए ऑर्डर देता है
3 किसान द्वारा उठाई गई मांग
4 सिस्टम-जनरेटेड राशि स्वचालित रूप से किसान के खाते में जमा हो जाती है

प्लेटफ़ॉर्म विशेषताएं:
- पीएम-किसान योजना डेटाबेस के साथ एकीकरण
- एनआईसी से क्लाउड-आधारित सर्वर स्पेस
- सामग्री प्रबंधन प्रणाली
- ट्रैकिंग और मॉनिटरिंग के लिए जियोटैगिंग

किसानों के लिए लाभ:
- सब्सिडी तक आसान पहुंच
- सरलीकृत ऑर्डर प्रक्रिया
- तेज़ भुगतान वितरण
- डिलीवरी का सत्यापन

बागवानी क्षेत्र का महत्व:
- भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान
- कृषि सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) का लगभग 1/3

सीडीपी: बागवानी को सशक्त बनाना
- एनएचबी की केंद्रीय क्षेत्र योजना का घटक
- इसका उद्देश्य भौगोलिक विशेषज्ञता का लाभ उठाना और एकीकृत मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा देना है
- मध्यम समूहों (5,000 से 15,000 हेक्टेयर) के लिए 550 करोड़ रुपये का बजट आवंटन
- मेगा क्लस्टर (15,000 हेक्टेयर से ऊपर) के लिए 100 करोड़ रुपये

ज्वालामुखीय भंवर के छल्ले

ज्वालामुखीय भंवर वलय
माउंट एटना, सिसिली में आकर्षक घटना

माउंट एटना के बारे में:
- यूरोप का सबसे बड़ा सक्रिय ज्वालामुखी
- दुनिया के सबसे सक्रिय और प्रतिष्ठित ज्वालामुखियों में से
- हवा में धुएं के लगभग सटीक छल्ले भेजना

एटना का विस्फोटक इतिहास:
- 500,000 वर्ष पीछे का पता लगाया जा सकता है
- हाल के वर्षों में कम से कम 60 फ़्लैंक विस्फोट और कई शिखर विस्फोट
- 2006, 2007-08 में, 2012 में दो मौकों पर, 2018 में और 2021 में शिखर विस्फोट हुए
- पार्श्व विस्फोट 2001, 2002-03, 2004-05 और 2008-09 में हुए हैं

ज्वालामुखीय भंवर वलय कैसे बनते हैं:
- यह तब उत्पन्न होता है जब गैस, मुख्य रूप से जल वाष्प, क्रेटर में एक वेंट के माध्यम से तेजी से छोड़ा जाता है
- एटना के क्रेटर में जो वेंट खुल गया है वह लगभग पूरी तरह से गोलाकार है
- गोलाकार आकार छल्लों को 10 मिनट तक आकार बनाए रखने की अनुमति देता है

वैज्ञानिक निष्कर्ष:
- फरवरी 2023 में प्रकाशित पेपर में कहा गया है कि यह घटना पहली बार 1724 में इटली के एटना और वेसुवियस में देखी गई थी, और इसे 1755 से एक उत्कीर्ण प्लेट में प्रलेखित किया गया है।
- हाल ही में, कई अन्य स्थानों पर छल्ले देखे गए हैं, जिनमें अलास्का में रिडाउट, इक्वाडोर में तुंगुरुआ आदि शामिल हैं।

एटना की नवीनतम गतिविधि:
- 2 अप्रैल, 2024 को, दक्षिणपूर्वी क्रेटर के उत्तरपूर्वी किनारे पर एक छोटा सा मुंह खुला, जिससे गरमागरम गैस के झोंके निकले
- हालाँकि, गतिविधि का मतलब यह नहीं है कि एटना विशेष रूप से शानदार तरीके से विस्फोट करने जा रहा है
- ज्वालामुखीविज्ञानी सिमोना स्कोलो के अनुसार, नए वेंट से गतिविधि धीमी हो रही थी

गोल्डीलॉक्स जोन

गोल्डीलॉक्स ज़ोन: जीवन के लिए कॉस्मिक स्वीट स्पॉट

परिभाषा:
- गोल्डीलॉक्स जोन, जिसे रहने योग्य क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है, एक तारे से एकदम सही दूरी है जहां किसी ग्रह की सतह पर तरल पानी के अस्तित्व के लिए स्थितियां बिल्कुल सही होती हैं
- न बहुत गर्म, न बहुत ठंडा, लेकिन जीवन के संभावित रूप से पनपने के लिए बिल्कुल सही

गोल्डीलॉक्स जोन को प्रभावित करने वाले कारक:
- तारे का आकार और तापमान
  - बड़े, अधिक गर्म तारों का गोल्डीलॉक्स ज़ोन अधिक दूर होता है
  - छोटे, ठंडे तारों का गोल्डीलॉक्स ज़ोन के करीब होता है
- ग्रह का वातावरण
  - ग्रीनहाउस गैसें गर्मी को रोक सकती हैं, जिससे गोल्डीलॉक्स जोन का विस्तार हो सकता है
  - वायुमंडल की कमी किसी ग्रह को तरल पानी के लिए अत्यधिक ठंडा बना सकती है

हमारे सौर मंडल में गोल्डीलॉक्स ज़ोन:
- पृथ्वी: हमारा आदर्श घर
  - पृथ्वी सूर्य के गोल्डीलॉक्स ज़ोन के भीतर आराम से बैठती है
  - तरल पानी, मध्यम तापमान और उपयुक्त वातावरण
- मंगल: किनारे पर ♂
  - मंगल ग्रह सूर्य के गोल्डीलॉक्स ज़ोन के बाहरी किनारे पर स्थित है
  - अतीत में तरल पानी रहा होगा, लेकिन अब पतला वातावरण है
- शुक्र: आराम के लिए बहुत करीब ♀
  - शुक्र सूर्य के बहुत करीब है और इसका वातावरण घना, विषैला है
  - अत्यधिक तापमान और दबाव इसे रहने योग्य नहीं बनाते

हमारे सौर मंडल से परे गोल्डीलॉक्स ज़ोन की खोज:
- एक्सोप्लैनेट अन्वेषण
  - वैज्ञानिक अन्य तारों के गोल्डीलॉक्स ज़ोन में ग्रहों की खोज करते हैं
  - तकनीकों में पारगमन विधि और प्रत्यक्ष इमेजिंग शामिल हैं
- होनहार उम्मीदवार
  - केपलर-186एफ: लाल बौने तारे के गोल्डीलॉक्स ज़ोन में पृथ्वी के आकार का ग्रह
  - ट्रैपिस्ट-1 प्रणाली: पृथ्वी के आकार के सात ग्रह, तीन गोल्डीलॉक्स ज़ोन में

ब्रह्मांड में जीवन के लिए निहितार्थ:
- गोल्डीलॉक्स जोन अलौकिक जीवन की खोज में एक महत्वपूर्ण कारक है
- जैसा कि हम जानते हैं, इस क्षेत्र के ग्रहों में तरल पानी और संभवतः जीवन का समर्थन करने की क्षमता है
- हालाँकि, गोल्डीलॉक्स ज़ोन में होना जीवन की उपस्थिति की गारंटी नहीं देता है
- अन्य कारक, जैसे ग्रह की संरचना और इतिहास, भी एक भूमिका निभाते हैं

खोज जारी है:
- जैसा कि हम ब्रह्मांड का पता लगाना जारी रखते हैं, गोल्डीलॉक्स ज़ोन में ग्रहों की खोज सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है
- प्रत्येक खोज हमें सदियों पुराने प्रश्न का उत्तर देने के करीब लाती है: क्या हम ब्रह्मांड में अकेले हैं?

अवस्फीति

अवस्फीति: आर्थिक घटना को समझना

परिभाषा:
- अवस्फीति का तात्पर्य समय के साथ मुद्रास्फीति की दर में कमी से है
- कीमतों में वृद्धि जारी है, लेकिन पिछली अवधि की तुलना में धीमी गति से

अवस्फीति मापना:
- **मुद्रास्फीति दर:** किसी निश्चित अवधि में वस्तुओं और सेवाओं की कीमत में प्रतिशत परिवर्तन
  - मुद्रास्फीति दर में गिरावट का रुझान अवस्फीति का संकेत देता है
- **उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई):** वस्तुओं और सेवाओं की एक श्रृंखला के लिए उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान की गई कीमतों में औसत परिवर्तन का एक माप
  - सीपीआई वृद्धि में मंदी अवस्फीति का संकेत देती है

अवस्फीति के कारण:
- **मौद्रिक नीति:** मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ा रहे हैं
- **आर्थिक मंदी:** उपभोक्ता खर्च और व्यावसायिक निवेश में कमी
- **तकनीकी प्रगति:** उत्पादकता और दक्षता में सुधार, जिससे उत्पादन लागत कम हुई
- **वैश्वीकरण:** बढ़ती प्रतिस्पर्धा और विदेशों से सस्ती वस्तुओं और सेवाओं तक पहुंच

वास्तविक दुनिया के उदाहरण:
- संयुक्त राज्य अमेरिका
  - महान मंदी के दौरान अवस्फीति (2007-2009)
  - मुद्रास्फीति दर 2007 में 4.1% से घटकर 2008 में 0.1% हो गई।
- जापान
  - 1990 के दशक से अवस्फीति की लंबी अवधि
  - मुद्रास्फीति दर लगातार केंद्रीय बैंक के 2% लक्ष्य से नीचे है

अर्थव्यवस्था पर प्रभाव:
- उपभोक्ता: कम मुद्रास्फीति दर का मतलब बेहतर क्रय शक्ति और अधिक स्थिर कीमत है
- व्यवसाय: कीमतें बढ़ाने का दबाव कम हुआ, लेकिन मुनाफ़ा संभावित रूप से कम हुआ
- निवेशक: कम ब्याज दरों से उधारी और निवेश में वृद्धि हो सकती है
- सरकार: आर्थिक विकास के प्रबंधन और मूल्य स्थिरता बनाए रखने में चुनौतियाँ

जोखिम और चिंताएँ:
- **अपस्फीति:** यदि अवस्फीति बनी रहती है और अपस्फीति (नकारात्मक मुद्रास्फीति) में बदल जाती है, तो इससे आर्थिक स्थिरता हो सकती है
- **तरलता जाल:** जब ब्याज दरें शून्य के करीब होती हैं, तो मौद्रिक नीति अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने में कम प्रभावी हो सकती है
- **आर्थिक अनिश्चितता:** अवस्फीति की लंबी अवधि अनिश्चितता पैदा कर सकती है और आर्थिक विकास में बाधा उत्पन्न कर सकती है